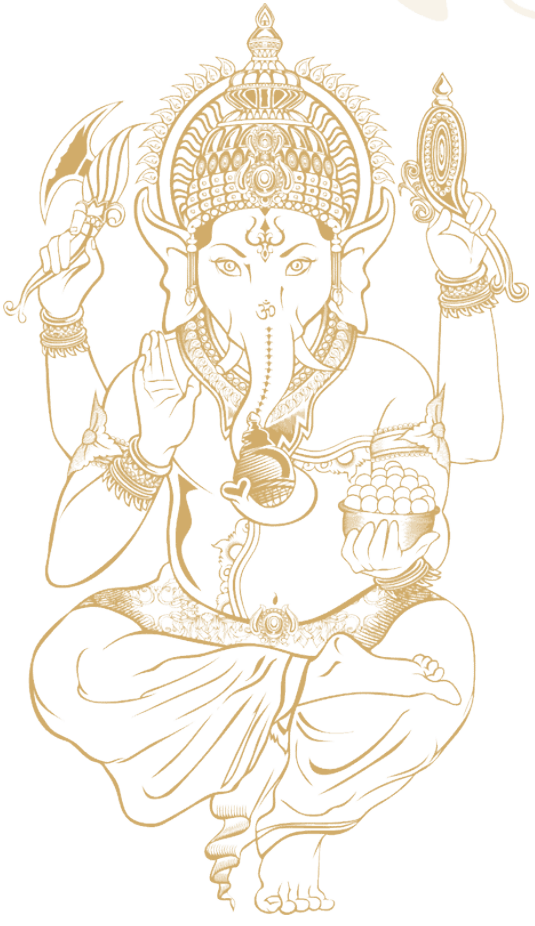

Aniket

17 Sep 2005

08:55 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121955103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/09/2005**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:55:00 घंटे**
इष्ट	37:01:38 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:34:12 घंटे
वेलान्तर	00:05:27 घंटे
साम्पातिक काल	20:20:51 घंटे
सूर्योदय	06:06:20 घंटे
सूर्यास्त	18:23:45 घंटे
दिनमान	12:17:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:53:46 कन्या
लग्न के अंश	24:04:51 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सोमनाथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	24:04:51	436:42:10	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	00:53:46	00:58:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	24:46:14	14:53:27	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	27:59:00	00:11:48	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	00:29:20	01:51:01	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु			कन्या	27:50:56	00:12:15	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	12:57:30	01:09:03	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			कर्क	13:42:29	00:06:05	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:43:17	00:01:49	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:43:17	00:01:49	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	14:12:01	00:02:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:17:08	00:01:10	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	27:57:04	00:00:30	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मक	08:59:07	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:09

लग्न-चलित

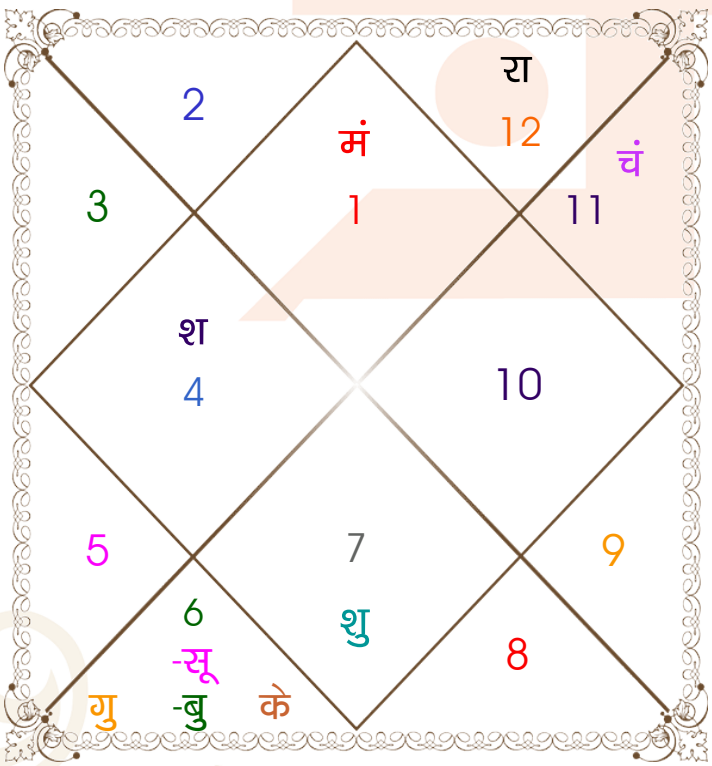

चन्द्र कुंडली

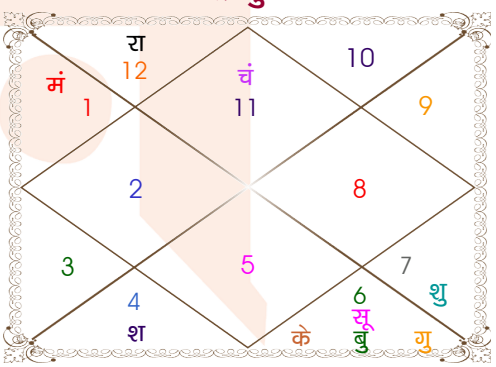

नवमांश कुंडली

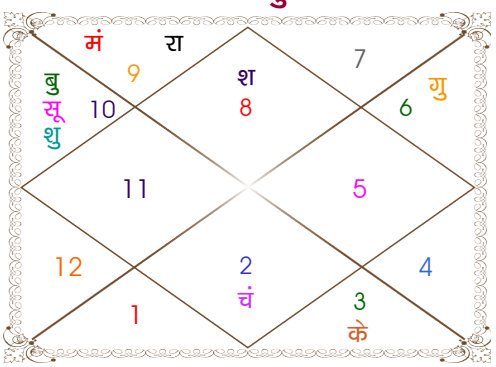

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 3 मास 9 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/09/2005		27/12/2015		27/12/2034		27/12/2051		27/12/2058	
27/12/2015		27/12/2034		27/12/2051		27/12/2058		27/12/2078	
	00/00/0000	शनि	30/12/2018	बुध	25/05/2037	केतु	25/05/2052	शुक्र	28/04/2062
	17/09/2005	बुध	08/09/2021	केतु	22/05/2038	शुक्र	25/07/2053	सूर्य	28/04/2063
बुध	03/12/2006	केतु	18/10/2022	शुक्र	22/03/2041	सूर्य	30/11/2053	चंद्र	27/12/2064
केतु	09/11/2007	शुक्र	18/12/2025	सूर्य	26/01/2042	चंद्र	01/07/2054	मंगल	26/02/2066
शुक्र	10/07/2010	सूर्य	30/11/2026	चंद्र	28/06/2043	मंगल	27/11/2054	राहु	26/02/2069
सूर्य	28/04/2011	चंद्र	30/06/2028	मंगल	24/06/2044	राहु	15/12/2055	गुरु	28/10/2071
चंद्र	27/08/2012	मंगल	09/08/2029	राहु	11/01/2047	गुरु	20/11/2056	शनि	27/12/2074
मंगल	03/08/2013	राहु	15/06/2032	गुरु	18/04/2049	शनि	30/12/2057	बुध	27/10/2077
राहु	27/12/2015	गुरु	27/12/2034	शनि	27/12/2051	बुध	27/12/2058	केतु	27/12/2078

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/12/2078		27/12/2084		27/12/2094		28/12/2101		28/12/2119	
27/12/2084		27/12/2094		28/12/2101		28/12/2119		00/00/0000	
सूर्य	16/04/2079	चंद्र	27/10/2085	मंगल	25/05/2095	राहु	09/09/2104	गुरु	15/02/2122
चंद्र	15/10/2079	मंगल	28/05/2086	राहु	12/06/2096	गुरु	03/02/2107	शनि	28/08/2124
मंगल	20/02/2080	राहु	27/11/2087	गुरु	19/05/2097	शनि	10/12/2109	बुध	18/09/2125
राहु	14/01/2081	गुरु	28/03/2089	शनि	28/06/2098	बुध	28/06/2112		00/00/0000
गुरु	02/11/2081	शनि	27/10/2090	बुध	25/06/2099	केतु	17/07/2113		00/00/0000
शनि	15/10/2082	बुध	28/03/2092	केतु	21/11/2099	शुक्र	16/07/2116		00/00/0000
बुध	22/08/2083	केतु	27/10/2092	शुक्र	21/01/2101	सूर्य	10/06/2117		00/00/0000
केतु	27/12/2083	शुक्र	28/06/2094	सूर्य	29/05/2101	चंद्र	10/12/2118		00/00/0000
शुक्र	27/12/2084	सूर्य	27/12/2094	चंद्र	28/12/2101	मंगल	28/12/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 3 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।